

5/6/18

आकीड आदीगण अपन शान्त-लोक काल
 की भावना ले उरित होइ उरण काइ
 Not प्रत्य विप्रा।
 पत्रावपी व उपलब्ध सिद्धि
 का कवलीक विप्रा गण। ऊ.पडावी
 एत आदीगण Not प्रत्य मे करीक विप्रा
 जाना है पत्रावपी उरत शुभा वेइ मकर
 ले कम होत शरीक दण्ड है।

ग/ /
 (गडीश प्रकाश गोड)

120f press
 Alamy
 5-6-18